अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु विचार दर्शन – 80

प्र.1 किन्हीं 10 प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिये – 10

(क) जैन परम्परा में चारित्रिक शिथिलता का सूत्रपात कब हुआ?

(ख) भारतीय परम्परा में राजनीति व समाज से किसे भिन्न माना गया है?

(ग) अणुव्रत के माध्यम से आचार्य तुलसी ने किसका विरोध किया?

(घ) राजस्थान में मारवाड़ी कहाँ के निवासी को कहा जाता है?

(ङ) आचार्य भिक्षु ने अंतिम समय में मुनि रायचन्दजी को क्या सीख दी?

(च) बहुसंख्यकों के हित के लिये अल्पसंख्यों का अहित क्षम्य है। यह किस तन्त्र का सिद्धान्त है?

(छ) हृदय परिवर्तन का क्या अर्थ है?

(ज) भगवान महावीर को केवलज्ञान कब प्राप्त हुआ?

(झ) श्रावक किस अपेक्षा से रत्नों की माला है?

(ञ) व्यास के शब्दों में अष्टादश पुराणों का सार क्या है?

(ट) कौन से भगवान ने दीक्षा से पूर्व दान देना चाहा पर लेने वाला कोई नहीं मिला?

(ठ) ''जीवो जीवस्य जीवनम'' का अर्थ बताऐं।

(ड) वीर निर्वाण 882 में श्वेताम्बर मुनिगण कौन से दो भागों में विभक्त हुए?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दें – 10

(क) ''असोच्चा केवली'' किसे कहते हैं?

(ख) कौन सा धर्म सबके लिये है?

(ग) अधर्म के कार्य को धर्म में डालने और धर्म के कार्य में अधर्म को डालने से क्या होता है?

(घ) एकल विहारी व संघबद्ध साधुओं में क्या अंतर होता है?

(ङ) जो साधु जीव हिंसा में धर्म बताते हैं उनके तीन महाव्रत कैसे टूटते हैं?

(च) आचार्य निर्वाचन के समय किन–किन योग्यताओं का होना आवश्यक है?

प्र.3 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें – 30

(क) ''जिन शासन में ग्लान की सेवा ही सार है।'' आचार्य भिक्षु के जीवन से जैन परम्परा के इस वाक्य की पुष्टी करें।

(ख) ''आचार्य भिक्षु की सिद्धान्त वाणी के मौलिक निष्कर्षों को बताएँ।

(ग) ''एक आदमी कोई कार्य करता है दूसरा करवाता है और तीसरा इसका अनुमोदन करता है ये तीनों एक ही श्रेणी में आते हैं।'' दृष्टांत द्वारा समझाएँ।

(घ) आचार्य भिक्षु अनाग्रही थे। स्पष्ट करें।

(ङ) ''क्षमा की सरिता में'' उक्त वाक्य से स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु जहर में अमृत घोल देते थे।

(च) आचार्य भिक्षु के अनुसार गण में किसे रहने का अधिकार है?

(छ) डाक्टर मनुष्य समाज की सेवा के लिए नये–नये प्रयोग करते हैं – परंतु महात्मा गांधी ने उनकी आलोचना किस प्रकार की?

(ज) ''अयोग्य शिष्यों की बाढ़ का एक कारण आचार्य पद की लालसा है।'' आचार्य भिक्षु ने इस रोग को कैसे मिटाया?

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें – 30

(क) गाँधीजी ने युद्ध के विषय में जो विचार व्यक्त किये, वे ही विचार आचार्य भिक्षु ने जीवन युद्ध के विषय में व्यक्त किये। दोनों के विचारों को बतलाते हुए तुलना करें।

(ख) महाव्रतों की युगपत प्राप्ति को गुरू शिष्य संवाद के माध्यम से लिखें।

(ग) जो सम्यक् दृष्टि होता है वह धर्म के लिये हिंसा नहीं करता। इस पर अन्य विचारकों के विचार व्यक्त करते हुए भिक्षु स्वामी की अवधारणा को विस्तार से लिखें।

भिक्षु वाणी – 20

प्र.5 दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) ज्यां लग पुन्न.....होय जाय।।

(ख) पहडे सगानें.....जगनाथरो।।

(ग) मींगंण्यां री.....अधिकी थाय।

(घ) उझिया भोगवती.....टोलो री आब।

प्र.6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें – 6

(क) सोर ठंडो लागे.....पड़े जातो।।

(ख) कोई कहे.....धर्म साख्यात।।

(ग) आ तो.....दीघा न्हांख।।

(घ) आभे फाटे.....परिया बघार।।

प्र.7 कोई दो पद्य लिखें – 6

(क) कुगुरू (ख) पुरुषार्थ (ग) दु:षमाकाल (घ) उपदेष्टा